

२३ ॥  
२५१

प्रभातकी इच्छा व मुकाम के रूप में कालना  
जाग में प्रकाश हुई। वृद्धाव उपर।  
सूखे बाद स्कारेज होने से T.I.  
प्रचनता पूरा करने योग्य नहीं होने  
से स्कारेज किया जाता है। (प्रभातकी)  
किशय शुमार होकर बंदर से कम हो।

आप

आ

ADN